

स्वयत्युमाप्रतिधनः सन्दर्भुद्धिगिर्नाजानीर्जयदवनकगनदः ॥ अथाऽनूहदः ॥ शु
भां गारुनसत्यमयनवनेन वायुगवर्धनः स्यर्द्धाकापिनविष्टः ॥ गुणिधवाधमयी कविश्च
पतिः ॥ ५ ॥ ॥ एमेजमालवनागसगीयनं ॥ रूपकनाल ॥ पलयपयाध्रिजलध्रुवानसिव
दीविहिनवहिनवविगुमखर्द ॥ कगवधुगमीनगवीरुजयजगदीगहव ॥ ध्रुवपदी ॥ निमि
ननिविपूलनवर्गवनिष्ठनिष्ठ ॥ धनविधनधकिगवकगविष्ठ ॥ कगवधुगककूपवृद्ध

जगदीशरुचं ॥ वसतिदगनगिरवधवधीनवल्लभा ॥ गगिनि कलक कलनिमग्ना ॥ १॥
नष्टकवचपूजय जगदीशरुचं ॥ गवकनकमलवचनस्वमदुग्गृहं ॥ दनिगहिन ॥ कनिपू
नरुचं ॥ कंगवधुननरुविनूपजयजयजगदीशरुचं ॥ २॥ कलयसिविकमलवलिमदुग्गवम
न ॥ पदनस्वनीवजनिनजनपावना ॥ कंगधुनवामननूपजयजगदीशरुचं ॥ ३॥ कनियनूधिव
मयं जगदपगतपापं ॥ स्नपयसिपयसिगमिगरुवनापं ॥ कंगवधुनरु ॥ ४॥ पगिनूपजयजगदी

वसतिदगनगिरवधवधीनवल्लभा ॥ गगिनि कलक कलनिमग्ना ॥ १॥ ॥ ५॥ कंगव
धुगृहकवचपूजयजगदीशरुचं ॥ ॥ गवकनकमलवचनस्वमदुग्गृहं ॥ दनिगहिन ॥ कनिपू
नरुचं ॥ ॥ ६॥ ॥ ५॥ कंगवधुननरुविनूपजयजयजगदीशरुचं ॥ ॥ कलयसिवि
कमनवलिमदुग्गवामन ॥ पदनस्वनीवजनिनजनपावना ॥ ७॥ ॥ ५॥ कंगवधुनवा
मननूपजयजगदीशरुचं ॥ ॥ कनियनूधिवमयं जगदपगतपापं ॥ स्नपयसिगमिगरुव

यसंस्थः

सप्तमयनवने वावायागवर्द्धनः स्याद्दीकापिनविश्वरूपनिधनात्तथायीकविष्णुपतिः॥
॥५॥ ॥ गोजमातवराग ॥ पलयपयाधिजलधृगवानसिचदं श्रविहितवहिरुचनिद्रमस्त
दं॥६॥ कंगवधूतमीनगरीजयजगदीगरुवा ॥ किनिनितिवप्रनलन नि हनिष्टुष्टं च न
निधनक्षकिधचक्रागनिष्ठ॥२॥ ॥६॥ कंगवधूतक रूपनृपयजगदीगरुवा ॥

पदं॥दिनममिमधुलमन्दनरुवरवधुनन॥मृनिजनमानसरुंस्त॥जय॥कालियवि
षधवगङ्गनजनवृंजनन॥यद्वकूलनलिनदिनन॥जय॥मधूमूवननवकविनागन
गङ्गासनन॥सूत्रकूलकलिनिदान॥जय॥जूमलकमलदलशोचनरुवमावनन॥
विभुवनरुवननिधान॥जय॥जनकसूगाकृतरुषगजिगदूषधन॥समनसमिगदश
कठ॥जय॥जूरिनवजलधनसुन्दरधृगमधुनन॥शीमुखवन्दुवकाव॥जय॥

[illegible][illegible]

मलिनमननविधिः कजाता ॥ मदनमहोपनिषत् कनकमंदधुनविष्कसुनकसूमवि
 काः ॥ मिलितगिलीमूर्खपर्वलिपठलकृतस्मननूयविकाः ॥ विगलिनलजिगज
 गदवलाकनकनूयननूयकृतलसं ॥ विनहिनिकननकनमूर्खाकनिकेनकि ७
 दनुविगाः ॥ माधविकापनिमलललिननवमालिकयानिसूगान्मी ॥ मृनिमन
 सामपिमाहनकानितिननूयकाननववन्मी ॥ स्तुवदनिमूकलगापनिनमूयमूक

लिनपलकिठनूय ॥ वृन्दावनविपिनघविसनपनिगनयमूनाऊलपूय ॥ धीऊयदवरुतिगमिदमद
 यगिरुविचननसृनिसान् ॥ सनसवसन्नसमयवनवर्धुनमनूगनमदनविकारं ॥ ॥ ५ ॥ नील
 नधगन्धर्वमधपवाधूननूयकृतकी ॥ कलकिलकाकालीकलकलेनूयकृतनाधनीयन
 पथिके ॥ कथकथमपिधनावधनकलपाफपावसमागमनसा ॥ सैनमीवासनाधादनविदतिन
 मलीवलि ॥ सनागपकटिनपठवासेवासयनूकाननानि ॥ रुदिदरुनियनकनकीगन्धवन्ध

४५ सुवदसमवाद्यपावद्वन्धवारु॥ जूनं कनावीपविनमस्तुमस्तु वन्मनाहविविलासला
लसं। मूवाविमानादपदार्थयन्त्रसोसखीसमन्धपूननारुनाधिकं॥ ॥ नामकनीनाय॥ नृ
पकता॥ यन्ननवर्जितनीलकलवप्रीतवसनवनमाली। कलिवलनमदिकुलमल्लिग
लुचुगसिगगाली॥ रुविनिरुमृध्ववधुनिकत्र विलासिनिविलसगिकलियन॥ कवपदी॥ यीन
पयाधवरावरुनगरुनिम्यविवस्वसनागं। रगापवधुवनूगायनिकाविद्रुदशुमेर्यवमनागं॥ क

पिविलासविलासविलासवनखलनजनिगमनाजं। ध्यायनिमृध्ववधुनधिकंमधुसूदनवदनसनाजं
॥ कापिकपालनलमिलितालपिर्भुकिमपिर्भुकिमूल। वात्रुवृन्निगमवगीदयिर्गपूनकीवनूकूल॥ क
लिकलाकुरुकनवकाविदमूंयमूनाजलकूल। मल्ललवमूलकूलगनीविवकर्षकात्रलकूल। कन
नलतालनवलवयावलि कलिकललखनवर्ण। नामवससहनृणपवाहविनायूवनिष्पुर्गर्गस॥ शि
व्यनिकामपिचुम्बनिकामपिकामपिवमयनिवार्मा। पञ्चनिसिम्बितवात्रुनवामपवामनूगकूलिवाइ

मां ॥ श्रीजयदत्तकवविदमहोतकभावकलिवरुस्यं । वृन्दावनं विपिनं वलिनं वितनानुशुनानियमस्यं
॥ ॥ विष्णुषामनूत्रं नननयनानन्दमिन्दिवरुषविष्णुमलकामलेनयनत्रयेन ननन
त्वं । स्वकन्दकसुन्दरीविरुषं पल्लवमालिङ्गितं गृहीतं सखिमूर्तिमानिव मध्ये मूल्या
विष्कीर्तये ॥ जूडसंगवसकृजंगकवलकृष्णादिवंशवलंपालयप्रवनंकृत्यानुसन्निधीस्वधु
लानिलः । किञ्च हियवसालमीलिमकूलान्यादायरुषोदयादमीलनिकृष्टकृष्टविनिकला

[illegible]

रूपकनाल ॥ सध्वनदधनसुधमधुनधनिमूखनिनयाहनवर्ग। वलिगदगधलवधलमोलिकपालविलासव
 नर्त ॥ नासहविमिहविहिविलास। सनमिमनाममकनयनिरास ॥ ध्रुवपद ॥ चन्द्रकवानूमयुवशिशुधुकमधु
 नवलपितकैर्ग। एवंपुनन्यवधनूननूनधिनमद्वभूदिवसुवर्ग ॥ गायकदम्बनिनमधुमीमुखवृम्बनलहिरुल
 र्ग। वन्धुजीवमधुनाधवपल्लवमृदुसिनधिनगार्ग ॥ विपुलपुलकशुभपल्लववलपितवल्लवयूवविसहस्रं। कन
 ववध्वनसिमतिगदरुषवकिनतविहिननमिर्ग ॥ जलदपठलमिलदिन्द्रविनिनकवन्ननिलकललाटं।

२३

मनेज १

वीनघनकूनमधुलमर्दननिर्दयद्वयकपाट ॥ मणिमयमकवमनारुवकृधुलमधुगधुमूदार्ग। पीतवसन
 मन्त्रगतमूनिमन्त्रसूत्रासूत्रवपविद्यार्ग ॥ विसदकदम्बतलमिलिनकसिकल्लषरुयंगमयर्ग। मामपिकिमपि
 नवर्गद्वग्धमनसावमयर्ग ॥ श्रीजयदवरुतिममिसून्दवमारुनमधुविपूर्य। हविववधसवर्धपिसम्यु
 मिपून्नावतामन्त्रूर्य ॥ ॥ गलयतिशुभमंरुमंरुमादपिनरुनवरुमिवपवीगार्धदार्धविमूर्धनिरुनग
 ।युवनिषुवल्लुध्वविहिविनामिनापूनवपिमनावामक्रामंकरानिकशामिकि ॥ ॥ गोजमालवका

२४

१७७ कमालीनाल ॥ निरुनिद्रा ॥ गङ्गा निगिरुसिनीलीयवसर्क ॥ चकिनविलाकिनसकलदितावमिब
 ससवसेनरुसर्क ॥ सविहकतिमधनमूदाव ॥ वमयमया सहमदनमनानधरावितयासविकाव ॥ ध्रुवपद ॥
 प्रथमसमागमलकिनयापद्रुयाद्रुगेननकुल ॥ मृदमधुवसितरावितयानिधिलीकृतरूपनद्रुल ॥ किस
 लयनयननिर्दशितयाविबभूवसिममेकनयान ॥ कृतपविबभूववृन्वनयापविबभूवकृताधवपान ॥ अलस
 निमीलितलावनयापूलकावलिललितकपाल ॥ प्रमजलसिककलववयाववमदनमकादिलाल ॥ काकिल

वा
 कलंसवकुडिवाजितमनसिजुनविचार ॥ मकसुनाकलकूलयानिबलिसिनिधनकननान ॥ विरु
 रसिममिनिपूवयापविपूविनसुवगविगान ॥ मखवविगैखलमखलयासकवग्रहवृन्वनदान ॥ न
 निसुवसमयवसालसयादवमकूलिननयनसभा ॥ निसुननिपदिगनलनयामधुसूदनमूदिन
 मना ॥ ॥ पीजयदवरुतिमिदममिगयमधुविपूनिधुवनगील ॥ सुवमूलकिनगावधुकथिनीविन
 नाकुसलील ॥ ॥ रुसुसुविलासवंगमनृद्रुवलिमहलवीदृयासाविदृगकवीदिनमदिखुद्रुग

कलं। मा मृदी कृ विलकि नस्मि न सूक्ष्म मृग ननं काननं रम्य विन्दं जसू नवी गमनं पङ्क
 गिह्यामिव ॥ इ माला कः सा कल वक नव का रण क कलिका विका गः का सा मा पवन
 पवन पिथयति। जू पिता मृदु दी नति नमधीयान मृकल पख विधूतानां सखि निख वितीर्य स
 खयति ॥ सा कल स्मि न मा कला कल गल दमि न मृदु सा सि न रू वल्ली कमली कदमि नि रुजा मूला र्द्ध रु
 कर्ना रणा पीनी निरु र्नी निनी शु दयिता कः शि चि न शि न यन्न न मृग मना रु वा रु व रु वः कं ग न वः क

१०

इत्यनंद कलिका शि नंद द रु वः कर्म कटा कर्म यः ॥ ॥ कृति गीत रम्य विन्द मृग मधू दमाना मृनी यः स र्जः ॥
 ॥ य मृना गी न वानी न नि कू ॥ म न्द मा स्थि तं प्रा रु प म रु वा द्वा न मा ध र्व वा धिका स र्वी ॥ का र्धु र्द वा स नु क ता ली ल
 ॥ निन्द वि वन्द न मिन्दु कि न म नू विन्द मि र्व द मधी र्वा ॥ द्या ल नि ल य मि ल न न ग व ल मि व क ल य ति म ल य स्मी
 र्वा ॥ सा वि न रु व दी ना मा ध व म न सि रु वि नि र्व रु या दि व रा व न या ल यि ती ना ॥ ध्रु व प दं ॥ जू वि व ल नि प ति न म
 ॥ ना दि व रु व द व ना य वि ना र्त्तं ॥ स्व द द य म र्म वि व र्म क र्मा ति स र्ज ल न लि नी द ल जालं ॥ कू स म वि नि र्व

गवतल्यमनल्यविलासकलाकमनीयं। वृत्तमिदगवपनिबन्धसुखायकवागिकसुमनयनीयं॥ वरुणिचव
 लितविलायनऊलरुनमाननकमलमूदानं। विधूमिवविकठविधुनुददन्कदलनगलिनामृतधर्वा॥ विलि
 खतिवरुसिकुवरुसिकुचक्रमदनरुवन्कमसमनवरुणं। प्रथमतिमकवमरुधाविनिधायकववगवन्नव
 चूर्णं॥ पुनियदमिदमपिनिगदतिमाधवगवववल्हापनिगारुं। लयिविमुखमयिसपदिसुधानिधिवपित
 न्नरुगनमूदारुं॥ ध्यानलयनपूवःपदिकल्यारुवन्कमतीवइवाणं। विलपतिरुसुनिविस्वीदतिवादिनिचक्ष

१३

निमूर्च्छतितापं॥ गीजयदवरुसिगमिदमधिकंयदिमनसानठनीयं। रुविविवरुहाकूलवन्धवयुवतिसखी
 ववर्णप०नीयं॥ ज्वावासाविपिनायगपियसखीमालाफिजालायगतापापिध्वसिर्गनकावदरुनछालाक
 नालाअनं। सागिखद्विवरुहाकूलरुविगीनूपायगंहाकथकन्दर्पोपियमायगविनवयनूहाद्विलिविक्कीर्णं॥
 सावामाअनिशीत्कवागिविलपत्यल्लम्यनंभाभानिधायत्युक्तनिरिपमीलनियनरुयादिमूर्च्छत्यनिगनाव
 ल्यनन्धववगननूर्जिविन्नकिन्नवसाह्वध्वशूपनिमपसीदसियदिरुकांन्यथानानकक॥

दूधमन्नाया ॥ उकताली ताल ॥ स्तनविनिहितमपि स्तनमदार्त्ता सामन्तैक
 गतन्तपितानं ॥ नाविकाविनहतवकलवा ॥ ध्रुवपदी ॥ स्तनसमसृगमपिमल
 यजपद्मपद्मनिविषमिववपुषिसुन्दरं ॥ अस्तिनपवनमनूपमपनिष्पद्मीमदन
 दहनमिववरुतिसुन्दरं ॥ दिगिदिगिकिरतिसृजलकणजालं ॥ नयननिसिन
 मिवविगलितनालं ॥ त्यजतिनपातितलनकापालं ॥ वालगानिनमिवसाय

१४

नतद्वदयनं ॥ धीनसमीप्रयमूनातीत्रवसतिवनदनमाली ॥ ध्रुवा ॥ नामसमर्गकृत
 संकर्तवाद्यनमृद्वर्णं ॥ वक्रमनूतननूतनसृजतपवनवलिबर्णं ॥ पततिपद्मवि
 लितियुगलक्षितरुवदूषयानं ॥ अचयतिनयनं सचकितनयनं पद्मनिवपद्मार्णं ॥
 मूवनगधीनं सृजमधुरीनं त्रिपुमिवकलिसुलालं ॥ चलसुखिकूर्जसतिमिन्पुष्पं
 नयनीलनिनालं ॥ उतसिमूनात्रपुसितहाथधनं वनलवलाकतल्लिदिवयीतन
 ति विपरीतनाजसिस्वकृतविपाकं ॥ विगलितवसर्गपनिष्पद्मसर्गवद्वयजयनम

विधानं ॥ किं सत्यं गयनं पदं जनय न निधि मि वरुष निधानं ॥ हवि न हि मा नी त ज
नि नि दान्ती मिय म पि या नि वि ताम् । कु न्म म व र्च न स त्व न व र्च न पू न य म ध नि पू का र्म
॥ १ ॥ जय द व कृ त ह नि स व र्ण न ति प त म ल म धी र्य ॥ प्र मू दि त ह द र्य ह नि म ति स द र्य न म
ग स कृ त क म नी र्य ॥ ॥ वि कि न ति मू र्ः ॥ सा ना भ पू न च ॥ प्र वि ल ति मू र्ः ॥ १ ॥
कृ ञ् गु ञ् मू र्ः ॥ य्यां प र्या कृ लं मू र्ः नी क र्म म द न क द न कृ न ॥ का न् प्रिय ॥ त
व व र्ः ॥ त्व द्वा कृ न स र्म स न्प्र म धू ना ति ग्मा गु न र्ग ना ॥ ग वि न द स म ना त र्ध न व

न या त व ह न ति वि बा द ॥ धृ र्द ॥ क ऊ ल म लि न वि ला च न चू च न वि न रि ग नी लि म नू र्पी द
न व स न म नू ल न व कृ णू त ना ति ग ना न नू र्पी ॥ व पू न नू व ह ति त व स म न म नू र्ख न क न व र्द ॥ म न क न
ग क ले क लि न क ल ॥ धो त लि प वि व न ति ज य ल र्द ॥ च न न क म ल न ल द ल क क सि क मि द न व द
द य मू र्ः ॥ द र्म य ती व व हि र्म न दू म न व कि ग ल य प वि वा र्ः ॥ द न न प द र व द ध न ग र्म म
ज न य ति र्वा ति ख द ॥ क थ य ति क थ म धू ना पि म या स ह न व व पू न ग द र्द ॥ व हि वि व म लि न
न नू र्ग न कृ ण म ना पि ह वि वा ति नू र्नी क थ म थ व र्ः य स ज न म नू ग न म स म ग न व द न दू र्

॥ शुभमतिरुवानवला कवलायवनपुकिमगुविचिर्गुपुथयतिपूनि केववधूवनिर्दयवा
 लेवलिप्य ॥ प्रोजयवसुनिगनगिवश्चित्खतिगयवनिविलापी ॥ गृहसूखमन्धूनीविश्व
 विवधालयतापिद्रुतापी ॥ तदवपपुन्याः पुसतदननार्गवहि नपिप्रियादालककु नमूष
 कायददय ॥ ममाद्यप्रस्वागपुणयहनरु ॥ नकि नवलवाला कः ॥ मकादपिकिमविले जाजन २४
 मति ॥ स न्या नन्यनदिदिविषदृष्टेनम न्यानमेमूकुठ नुनीलमगिरिः सन्यनिर्तन्दीवनी ।
 म ॥ मकनन्यसून्दनादानमेमूकुठ नुनीलमगिरिः सन्यनिर्तन्दीवनी । स्वकुन्दमकनन्य

पनिदनी ॥ स्फुल्लकमल गङ्गर्नममदयन ॥ नर्नजनिगनतिरङ्गपनरुगा ॥ तदमसृष्टवालिवा
 काविचनगद्वयसनसुगतादलककनार्ग ॥ सनगनलखनुर्नममनिवसिमनुर्न ॥ धरिपदप
 खवमूदानी ॥ कलतिमयिदात्र ॥ ममदनकदनानलाहननुगदपहिनविकारी ॥ ०० निवदूलेवा
 दूपदूचान्मूनवेनि ॥ मनाधिकामधिवचनगार्गजयतिजयदवकविस्तानतीरुधिर्गमानिनीजनज
 गितगार्ग ॥ पविहनकृतात ॥ कलकल्लवयासगर्गवनसुनजयनयाक्राकस्वानपनानवकानिनि ।
 विगगिवितनानगाधनानकापिममानकर्नपुणयिनिपनीनमूत्रमूविधयनी ॥ मूधवि

[illegible]

वती नूचि न विग्रह लख कृवा वहा विवृध यो चर्त वहा सिता विपू धी गता ॥ यीति म स नू गता ॥
 कूव लया पीठ न सा द्वि न र्ध ना धा पी न प या ध न स म न क कृ कृ न स म न स म न वारा य गति
 यति मी ल ल नि क ल म थ डि फा द्वि य त क र्क म र्क स स ग ल म र्क जि तं जि त मि ति वा मा ह का ला
 ह लः ॥ नू ति गी गी त वि न्द मा नि नी व र्णु न च तु न च तु कु जा ना म द न म स र्गः ॥ ॥ सू नि न
 म नू न व न पी ग यि त्वा मृ ग की ग त व ति कृ त व र्ण क र्क व कृ र्ण यी न डि नू चि न व र्णो द डि
 मा य पु न्ना ध नू न ति नि न व र्ण र्क का पि ना र्धं ज ग म द ॥ ॥ व स न न ना ॥ नू य क ता ल ॥ वि न वि न

बाहुवचनवचनवचन। एतद्विप्रविपात। सम्यगिति मूलवर्णलसीमतिकलिगयनम्
 ती॥ मूलमधुसूदनमनुगतमनुसूतनाधिक॥ धूर्वा॥ यनयनसूतनावरुनदनमनुवचन
 विहाती॥ मूलनितमलिमधुनमूपेहिदिधिमनालनिकार्वी॥ मृदुनमणीयतर्ननमणी
 जनमाहनमधुनिपूनावी॥ कूसुमगनागनमसनवन्दिनिपिकनिकनरुजहावी॥ जूनि
 लतनलकिगलयनिकननकनगलनानिकूनर्म्मा॥ पुनगमिवकनहावूकनानिगतिमुनिम
 ध्वविलम्ब॥ सूनिनमनमनननवगदिवसूचितरुनिपनिनर्म्मा॥ पृच्छमननननननन

व॥ ॥ वनातीना॥ निस्तानता॥ मधुगतकूश्वनकलिसदनाप्रविगनाधमाध
 वसमीपमिहविलसकूचकलगतनलहावी॥ कूसुमचयनवितगतवातगहा॥ प्रविगना
 धमाधवसमीपमिहविलसकूसुमसूकमानदहा॥ चलमलयवनपवनसूतहिनीत॥ प्रविगना
 धमाधवसमीपमिहविलसवलितललितगीत॥ मधुमदितमधुपकूलकलितनावी॥ प्रविगना
 धमाधवसमीपमिहविलसमदननसूतनरुसहावी॥ मधुगतनलपिकनिकननितनदमदना॥
 प्रविगनाधमाधवसमीपमिहविलसदगनननविविजितनितन॥ वितगतवद्वन

दपल्लवगयन।प्रविणनारधमाधवसमीपमिरुविमित्रलसर्प।नजयन॥वि
 पद्मावतीसखसभाज।कनमूनाममल्लगानिसीतिजयदवकाविनाजनाज
 ॥त्वाश्रितंविनमूहहन्त्रयमतिगु।नाहृणनापितःकदप्यलवपातुमिद्वगिसू ३०
 वासम्बाधविम्बाधनी।जुष्टासकदलंकनूकगमिरुमूकपललवव्रीतदास
 रूवापसवितपदाम्हाजकृतःसमुमः॥सससाधससानन्द॥विन्दलोलला
 नना॥सिउक्षनमशुमशुनविद्वगनिवगन॥वनजीना॥नूकनाल॥नाधवदन